राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 235 | जौनपुर | मंगलवार, 15 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

अपना ग्रुप ने बाबा साहेब की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। रायबरेली रोड स्थित सेक्टर–10ब वृंदावन योजना–2 में अपना ग्रुप के तत्वाधान में भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। जन्म जयंती पर बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बौद्ध भिक्षुओं ने पंचशील का पाठ पढ़ाया और उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ विजय गौतम ने किया। मुख्य अतिथि केजीएमयू के प्रो डॉ सुरेश बाबू ने अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए ।,

संक्षिप्त समाचार

एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने बिहार विधानसभा चुनाव में 40 सीटों की रखी मांग

पटना , (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी–अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इस बीच, एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने चुनाव में 40 सीटों की मांग कर दी है। हम के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रविवार को कहा कि हम 20 विधायक चाहते हैं और इसके लिए 35–40 सीटें जरूरी हैं। उन्होंने 20 सूत्री समिति के गठन में पार्टी की उपेक्षा पर भी नाराजगी जताते हुए कहा, ष्अभी कुछ दिन पहले जिला 20 सूत्री समिति का गठन हुआ, लेकिन हमारी पार्टी के लोगों को जगह नहीं दी गई। प्रखंड स्तर पर भी 20 सूत्री समिति के गठन में भाजपा और जदयू ने आपस में सीटें बांट लीं। मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में जीतन राम मांझी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की तरफ से 35–40 सीटों की मांग की जा रही है। हालांकि पार्टी में अभी इसे लेकर कोई निर्णय नहीं हुआ है। इतनी सीटें नहीं मिलने पर अगले कदम को लेकर जीतन राम मांझी ने कहा, ष्क्यों नहीं मिलेगी? हम हर हाल में एनडीए के साथ हैं और पूरी मजबूती से गठबंधन का समर्थन करेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि जैसे लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को सम्मानजनक भागीदारी दी गई थी, वैसे ही विधानसभा चुनाव में भी पार्टी की ष्औकात के हिसाब सेष सीटें मिलेंगी। मांझी ने कहा कि बहुत जल्द पार्टी की श्हम सेनाश का गठन किया जाएगा।

सेना की मदद से रौशन हुआ कश्मीर का सीमावर्ती सिमारी गांव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कश्मीर की दुर्गम कर्नाह घाटी में बसे सीमावर्ती गांव सिमारी की पहचान अब तक उसकी दुर्गमता और अंधेरे से थी। सेना की मदद से अब यहां एक बड़ा परिवर्तन आया है। यहां सेना ने सौर ऊर्जा से न केवल सभी घरों को रौशन किया बल्कि जिंदगियों को भी बदल डाला है। देश के लोकतंत्र में भी इस गांव का खास स्थान है। देश का पहला मतदान केंद्र (बूथ नंबर 1) यहीं है। यह इस बात का गवाह है कि भारतीय लोकतंत्र अपनी सीमाओं के अंतिम छोर तक भी पहुंचता है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की सीमा से सटे इस गांव का आधा हिस्सा पड़ोसी देश से साफ दिखता है। अब तक यहां अंधेरा एक सामान्य स्थिति थी। बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण लोग केरोसिन और लकड़ी पर निर्भर थे। बच्चे धुंधली रोशनी में पढ़ते थे और सूरज डूबते ही कामकाज रुक जाते थे। गांववालों की गुहार पर भारतीय सेना की चिनार कोर ने 'ऑपरेशन सद्भावना' के तहत पुणे स्थित असीम फाउंडेशन के साथ मिलकर एक ऐसा समाधान तैयार किया, जिसने न केवल घरों को रौशन किया बल्कि जिंदगियों को भी बदल डाला। सेना के मुताबिक, अब इस गांव को चार सौर ऊर्जा क्लस्टरों में बांटा गया है, जहां उन्नत सोलर पैनल, इन्वर्टर और बैटरी बैंक लगाए गए हैं।

वक्फ के नाम पर भड़काई जा रही हिंसा, बंगाल में तीन हिंदुओं की हत्याय भाजपा करेगी रक्षा - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ , (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देशभर में वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा की गई है। अब कार्रवाई हो रही है, तो हिंसा भड़काई जा रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की घर से खींचकर हत्या की गई। वक्फ संशोधन बिल से दलित, गरीब व वंचितों को सर्वाधिक लाभ मिलेगा। गरीब भी सरकारी मल्टीस्टोरी बिल्डिंग के फ्लैट में रह सकेगा। विपक्षी दलों को भय है कि ऐसा होने पर इनका वोट बैंक और गुमराह करने वाली राजनीति समाप्त हो जाएगी। योगी रविवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत भागीदारी भवन में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बांग्लादेश का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को राज्यसभा सांसद एवं पूर्व डीजीपी बृजलाल की पुस्तक पढ़नी चाहिए, जो आजादी के समय के दो दलित महायोद्धाओं पर है। एक तरफ बाबा साहेब ने कहा था कि मेरा आदि और अंत भी भारतीय के रूप में रहेगा। दूसरी तरफ जोगेंद्र नाथ मंडल थे, जिन्होंने पाकिस्तान का समर्थन किया। लेकिन एक वर्ष भी पाकिस्तान में नहीं रह पाए। मंडल के कृत्यों की सजा आज भी बांग्लादेश में दलित हिंदू भुगत रहा है। कांग्रेस, सपा व ममता बनर्जी ने उनके पक्ष में आवाज नहीं उठाई, केवल भाजपा ने विरोध किया। भाजपा हर हिंदू की रक्षा को प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान में कोई सिख, हिंदू, जैन, बौद्ध प्रताड़ित हो रहा है तो वह भारत नहीं आएगा तो कहां जाएगा। उसे नागरिकता देने के लिए ही सीएए बनाया गया, जिसका कांग्रेस और सपा विरोध करती है। ये लोग दलितों व वंचितों का अधिकार छीनते हैं। उनकी जमीन पर कब्जा करते हैं। कांग्रेस, सपा व तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें शरणार्थी के रूप में रखा, लेकिन भाजपा ने अपनाया। इस दौरान भाजपा अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश समेत प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि व भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि कांग्रेस व सपा राष्ट्र नायकों के अपमान पर उतारू है। 2012 में सपा सरकार बनने पर तत्कालीन सीएम ने कहा था।

जेपी नड्डा जल्द को एम्स ऋषिकेश में दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा मंगलवार को उत्तराखंड में ऋषिकेश के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहेंगे। नड्डा समारोह के बाद

एयरोमेडिकल से केंद्र का दौरा करेंगे और ट्रॉमा सेंटर में 'पिक्चर आर्काइविंग एंड कम्युनिकेशन सिस्टम' का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही एम्स ऋषिकेश में ' पीईटी–सीटी सुविधा और उन्नत बाल चिकित्सा के लिए नवनिर्मित 'सेंटर फॉर एडवांस्ड पीडियाट्रिक्स' का भी लोकार्पण किया जाएगा। नड्डा और धामी आयुष भवन में एकीकृत चिकित्सा विभाग, आयुष एकीकृत कल्याण पथ और योग स्टूडियो का भी उद्घाटन करेंगे।

मंत्री हफीजुल हसन ने शरीयत को संविधान से ऊपर बताया, भाजपा ने की बर्खास्त करने की मांग

रांची , (एजेंसी)। झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और झामुमो नेता हफीजुल हसन अंसारी ने अपने एक बयान में इस्लामिक कानून श्शरीयतश को संविधान से ऊपर बताया है। उनके इस बयान पर सूबे का सियासी माहौल गर्म हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं ने उनके बयान पर गहरी आपत्ति जताते हुए मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की है। अंसारी ने कहा, श्शरीयत मेरे लिए बड़ा है। हम कुरान सीने में रखते हैं और हाथ में रखते हैं संविधान। मुसलमान कुरान सीने में और संविधान हाथ में लेकर चलता है। तो, हम पहले शरीयत को पकडेंगे, उसके बाद संविधान में... मेरा इस्लाम यही कहता है। झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अंसारी के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, श्श्मंत्री हफीजुल हसन के लिए संविधान नहीं, शरीयत मायने रखता है,

क्योंकि ये अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट हैं और सिर्फ अपने कौम के प्रति वफादार। चुनाव के समय इन्होंने गरीब, दलित, आदिवासियों के सामने हाथ जोड़कर वोट मांगा और अब अपना इस्लामिक एजेंडा चलाने की कोशिश कर रहे हैं। मरांडी ने इस बयान को खतरनाक करार देते हुए आगे लिखा, श्श्हफीजुल की यह कट्टर सोच पूरे प्रदेश विशेषकर संथाल परगना की सांस्कृतिक पहचान और आदिवासी अस्मिता के लिए खतरा बनती जा रही है। संवैधानिक पद पर बैठा कोई भी व्यक्ति यदि कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देता है, तो वह न सिर्फ वर्तमान, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस विषय में राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर सभी पक्षों के नेताओं को आत्ममंथन करने की जरूरत है। शरीयत, बाबा साहेब द्वारा रचित संविधान की मूल भावना के विपरीत है। यदि राहुल गांधी और हेमंत सोरेन को संविधान के प्रति सच्ची आस्था है, तो उन्हें तुरंत हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और रांची के भाजपा सांसद संजय सेठ ने अंसारी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए।

नीतीश कुमार को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है : तेजस्वी यादव

पटना , (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोमवार को भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये लोग अंबेडकर का विरोध करने वाले लोग हैं और उनकी जयंती मना रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग संविधान को नहीं मानते हैं, वैसे भाजपा और आरएसएस के लोग न चाहते हुए भी अंबेडकर जयंती मना रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि जनता दल यूनाइटेड हो या भाजपा हो या एनडीए के अन्य पार्टनर, ये सभी अंबेडकर की विचारधारा के विपरीत काम करने पर तुले हुए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि पिछले दिनों संसद में भाजपा के दिग्गज नेता के भाषण को सभी लोगों ने सुना था। उनके दिल की बात, जुबान से निकली थी। तेजस्वी यादव

ने भाजपा को आरक्षण खोर पार्टी बताते हुए कहा कि बिहार में आरक्षण का दायरा बढ़ाकर इसे नौंवी अनुसूची में डालने की मांग की गई थी, लेकिन भाजपा की सरकार ने कोर्ट में जाकर गड़बड़ी करने का काम किया। राजद नेता तेजस्वी यादव ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार बनाने के बयान पर दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है। मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में कौन नहीं सीएम बनेगा, यह तो बता दो। क्यों आप लोग झगड़ा लगवा रहे हैं? दो दिन के बाद दूसरा नाम आ जाएगा। ये लोग आपस में नूरा–कुश्ती करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए की खटारा गाड़ी पर बिहार की जनता सवार नहीं होने जा रही है। राजद गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। बिहार की जनता युवा नेतृत्व को चुनेगी।

मेहुल चोकसी के वकील ने कहा मेरे मुवक्किल को भारत लाना नहीं होगा आसान

नई दिल्ली , (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के आग्रह पर शनिवार को यह गिरफ्तारी की गई। चोकसी के वकील विजय अग्रवाल का कहना है कि उनके मुवक्किल प्रत्यर्पण आसान नहीं होगा। अग्रवाल ने कहा, ष्उनके लिए अपील दायर की जाएगी। अगर कोई व्यक्ति वहां के इलाज से खुश है, तो उसे वहीं इलाज करवाना चाहिए। पत्नी, वकील और डॉक्टर को अपनी पसंद का विकल्प होना चाहिए। लोग अपने बच्चों को शिक्षा के लिए विदेश भेजते हैं, तो आप पूछेंगे की वह भारत में शिक्षा क्यों नहीं लेते? यह व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद है। इसके अलावा, भारत में उनके लिए सुरक्षा जोखिम हैं और उनका मानना है कि जैसे ही वे आएंगे, उन्हें मानवाधिकारों के अनुसार उचित व्यवहार नहीं मिलेगा। चोकसी के वकील ने कहा, ष्अगर वे (चोकसी) यहां आते हैं, तो राजनीतिक और मीडिया के दबाव के कारण, उनका मानना है कि निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं हो सकती है।ष उन्होंने कहा कि हम अपने मुवक्किल का चट्टान की तरह बचाव करेंगे। हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए बेल्जियम गया था जिसके बाद से वह वहीं था। भारत छोड़ने के बाद से वह 2018 से एंटीगुआ में रह रहा था। चोकसी और उनके भांजे नीरव मोदी पर सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक से करीब 13,500 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है। इस मामले में नीरव मोदी के अलावा उसकी पत्नी ऐमी, उसका भाई निशाल भी आरोपी है। 65 वर्षीय चोकसी अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम के एंटवर्प में शनिवास कार्डश प्राप्त करने के बाद रह रहा है। चोकसी की पत्नी बेल्जियम की नागरिक हैं। अपनी पत्नी की मदद से चोकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम में रहने का वीजा हासिल कर लिया।

भारत रत्न भीमराव अंबेडकर के विचारों को सबको अपनाना चाहिए - चिराग पासवान

पटना , (एजेंसी)। आज पूरा देश संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मना रहा है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि आज भीमराव अंबेडकर के विचारों को सभी को अपनाने की जरूरत है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह एक ऐसा दिन है जिसमें लोग बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों और उनके सिद्धांतों पर चलने की प्रेरणा लेते हैं। पासवान ने कहा, ष्उन्होंने ना सिर्फ हमारे संविधान को बनाने का काम किया, बल्कि उनके सिद्धांतों से हमारे देश के ऐसे वर्ग के लोग मुख्यधारा के साथ जुड़ पाए जो लंबे समय तक हाशिए पर थे। उन्होंने ऐसे लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संविधान में जो प्रावधान बनाने का भी कार्य किया, मुझे लगता है कि उसी का परिणाम है कि मेरे जैसे लोग न केवल सांसद हैं बल्कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में सदस्य भी हैं।ष उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि यह वे विचार हैं जिन्हें सबको अपनाना चाहिए। समाज में किसी भी तरह के भेदभाव को हटाते हुए, हर व्यक्ति भारतीय होने की सोच के साथ आगे बढ़े, यही बाबासाहेब भी चाहते थे। आज उसी सोच के साथ लोजपा (रामविलास)

भी आगे बढ़ रही है। इस मौके पर उन्होंने विपक्ष को लेकर भी बात की और कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। पहले उन्हें अपने घर में झांकना चाहिए। एनडीए पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री या गृहमंत्री बिहार आते हैं तो सभी दल साथ दिखते हैं। जिस तरह वर्चस्व की लड़ाई कांग्रेस और राजद के बीच देखने को मिल रही है, ।

देश में एयरपोर्ट्स की संख्या से लेकर 80 फीसदी घरों में नल से जल तक

हिसार, (एजेंसी)। अंबेडकर जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिसार पहुंचे। अयोध्या तक सीधी फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई फिर विशाल जन समूह को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर बेबाक राय रखी, जिनमें वक्फ कानून, कांग्रेस की नीतियां, सामाजिक न्याय, आदिवासियों के अधिकार, एयर कनेक्टिविटी, आरक्षण और बाबा साहेब अंबेडकर की विरासत जैसे विषय प्रमुख रहे। आइए जानते हैं पीएम मोदी के इस भाषण की 7 बड़ी बातें। प्रधानमंत्री मोदी ने देश में हवाई यात्रा की बढ़ती सुविधा पर बात करते हुए कहा कि 2014 से पहले भारत में केवल 74 एयरपोर्ट थे, जो कि 70 साल की उपलब्धि थी। लेकिन बीते दस वर्षों में यह संख्या 150 के पार पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि आज करोड़ों ऐसे भारतीय हैं जिन्होंने पहली बार हवाई सफर किया है। हिसार एयरपोर्ट से अब अयोध्या के लिए सीधी फ्लाइट शुरू हो गई है, जिससे श्रीकृष्ण की भूमि हरियाणा अब सीधे प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या से जुड़ गई है। उन्होंने इस पहल को श्हवाई चप्पल पहनने वाले को हवाई जहाज में उड़ानेश के अपने वादे की एक बड़ी उपलब्धि बताया। प्रधानमंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को भाजपा सरकार का श्प्रेरणा स्तंभश बताया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन और उनके विचार भाजपा सरकार की पिछले 11 वर्षों की यात्रा के प्रेरणा–स्तंभ रहे हैं। भाजपा की हर नीति, हर निर्णय, हर योजना वंचितों, पीड़ितों, शोषितों, आदिवासियों, महिलाओं और गरीबों को सशक्त करने की दिशा में केंद्रित रही है। बाबा साहेब के दिखाए रास्ते पर चलकर ही भाजपा 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार कर रही है। पीएम मोदी ने कांग्रेस को भी घेरा। तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा, ष्तुष्टिकरण की राजनीति की है और केवल कुछ कट्टरपंथियों को खुश करने का प्रयास किया है।ष उन्होंने कर्नाटक सरकार के धर्म के आधार पर दिए गए आरक्षण का हवाला देते हुए कहा कि यह सीधे–सीधे संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के सिद्धांतों का उल्लंघन है। बोले, ष बाबा साहेब ने स्पष्ट कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता।ष उन्होंने कांग्रेस पर डॉ. अंबेडकर का अपमान करने और उन्हें दो बार चुनाव में हराने का भी आरोप लगाया। वक्फ कानून को लेकर भी प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस कानून का दुरुपयोग कर भू–माफिया ने गरीबों की जमीन हड़पी और मुस्लिम समाज के पसमांदा, गरीब वर्ग को इसका कोई लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अगर वक्फ कानून ईमानदारी से लागू होता तो आज मुसलमानों को पंचर बनाकर गुजारा नहीं करना पड़ता। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने नए कानूनों के जरिए यह सुनिश्चित किया है कि अब आदिवासियों की जमीन को वक्फ बोर्ड छू भी नहीं सकता।

जाति जनगणना कराने के साथ एससी एसटी उप-योजना फिर लागू करे सरकार - खरगे

दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश में जाति जनगणना को आवश्यक बताते हुए सरकार से एससी और एसटी के हित में पांच मांगे स्वीकार करने का आग्रह करते हुए इन वर्गों के लिए उप योजना को फिर से लागू करने की मांग की है। खरगे ने डॉ अम्बेडकर जयंती पर सोमवार को यहां जारी बयान में कहा "संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ आंबेडकर जी की जयंती आज है। आज के दिन मैं कॉंग्रेस पार्टी की तरफ से 5 बातें कहना चाहता हूँ। पहली बात मैं कहना चाहता हूँ कि जाति जनगणना जरूरी है। अभी केंद्र सरकार 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर अपनी योजनाएँ बना रही है। साल 2021 में होनेवाली जनगणना का अभी तक पता नहीं। हम मांग करते हैं कि जनगणना के साथ–साथ ये भी जरूरी है कि जाति जनगणना कराया जाए। क्योंकि इतने वर्षों के बाद ये नहीं मालूम है कि आज समाज के अलग–अलग वर्गों की वास्तविक हालत कैसी है। सामाजिक न्याय के पैमाने पर – शिक्षा, नौकरी, मकान, जमीन का मालिकाना हक आदि पर उन्होंने कितनी तरक्की की है।" उन्होंने कहा " इंदिरा गांधी ने 1976 में अनुसूचित जाति जन जाति सब प्लान लागू किया था ताकि इन समुदायों के साथ समुचित न्याय हो। दुर्भाग्य से 2015 में मोदी सरकार ने इसे खघ्त्म कर दिया। हमारे कर्नाटक और तेलंगना राज्य सरकारों ने सब प्लान लागू करने का कघनून बनाया है। हम भाजपा सरकार से मॉग करते हैं कि अनुसूचित जाति जन जाति सब प्लान को केंद्र सरकार फिर से लागू करे। तमिलनाडु के सिवा कोई राज्य नहीं जहाँ आरक्षण सुरक्षित है। हम मांग करते हैं कि राज्यों के आरक्षण को नौवीं सूची में शामिल किया जाए जिससे 50 प्रतिशत की सीलिंग हटाकर राज्यों के आरक्षण को सुरक्षित किया जा सके।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा "साल 2006 में संशोधन हुआ अनुच्छेद 15 (5) में संविधान संशोधन कर एससी, एसटी, ओबीसी को निजी कालेजों में आरक्षण दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में यह कघनून सही ठहराया। आज 55 प्रतिशत उच्च शिक्षण संस्थान निजी हाथों में है। हमारे बच्चे कैसे पढ़ेंगे। मोदी सरकार सो रही है।

संपादकीय

बेहाल बुजुर्ग

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब–हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति–नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता–आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता–पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक–दूसरे के हाल–चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। ?

बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल–फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर–घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति–नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं?

पाकिस्तान की खामोशी से उठती आवाजें

ज्योति मल्होत्रा

'पाकिस्तान को मुंबई में हुए आतंकी हमले का सामना करना ही पड़ेगा, जिसकी योजना उसकी धरती पर बनी। इसके लिए उसे सच्चाई का सामना करने की जरूरत है। सुरक्षा तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लंबे समय से लंबित इस जघन्य आतंकी हमले के अपराधियों और मास्टरमाइंड को न्याय के कठघरे में खड़ा जाए अगर आप दिए एक साक्षात्कार में कुबूल किया था रू 'आतंकवादी संगठन (अभी भी) सक्रिय हैं' और सवाल उठाया था कि क्या पाक को उन्हें 'सीमा पार करके मुंबई में 150 लोगों को मारने की अनुमति देनी चाहिए थी'? इतना भर कहने पर नवाज पर देशद्रोह का केस जड़ दिया गया था। अहम यह कि दोनों लेख अभी भी डॉन की वेबसाइट पर पढ़े जा सकते हैं दृ महत्वपूर्ण इसलिए कि

सोचते हैं कि क्या पाक एक नया अध्याय शुरू करेगा और उसने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों को अंजाम देने वालों के बारे में ईमानदारी बरतने का फैसला ले लिया है दृ खघस तौर पर तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किए जाने की प्रतिक्रिया स्वरूप दृ तो एक बार फिर से सोचें। यह पैराग्राफ 3 अगस्त, 2015 को पाकिस्तान के अखघ्बार 'डॉन' में तारिक खोसा द्वारा लिखे गए लेख से लिया गया है, जोकि पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी के पूर्व मुखिया हैं और उन्होंने 2009 में मुंबई आतंकी कांड की जांच की थी। खोसा ने लेख लिखते समय शायद सच की घुट्टी पी रखी होगी! ठीक उसी प्रकार, जब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 2018 में 'डॉन' को यदि पिछले कुछ दिनों आपने पाकिस्तानी अखबार देखे हों,तो आपको यह सोचने के लिए माफ कर दिया जाएगा कि कहीं आप किसी और देश के समाचारपत्र तो नहीं पढ़ रहे। पाक मूल के कनाडाई नागरिक राणा के बारे में एक शब्द तक नहीं है, जो 2008 के मुंबई हमलों के दो प्रमुख षड्यंत्रकारियों में से एक है, जिसे हाल ही में भारत प्रत्यर्पित किया गया है। एक भी शब्द नहीं। शहबाज शरीफ सरकार बलूचिस्तान के मसले से जिस तरह निपट रही है, उस पर आलोचनात्मक लेख? हां है। पाकिस्तान सुपर लीग पर संपादकीय? हां है। अर्थव्यवस्था पर निराशाजनक टिप्पणी? हां है। लेकिन राणा की वापसी पर, और विस्तार से मुंबई हमलों पर, जब पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रशिक्षित 10 पाकिस्तानी कराची से मुंबई के लिए भेजे गए, और उन्होंने नवंबर 2008 में लगभग तीन दिनों तक भारत के वित्तीय केंद्र को बंधक बनाए रखा दृ एक शब्द तक नहीं, पूरा वाक्य तो दूर की बात है। आपको हैरानी नहीं हो रही, जानते हैं कि क्यों। एक ओर, पाक सरकार ने अपने दरवाजे खोल दिए और पाकिस्तान के लोगों ने अपने दिल दृ और 6,500 सिख तीर्थयात्रियों को वीजा दिए, ताकि वे ननकाना साहिब, पंजा साहिब, करतारपुर साहिब और अन्य गुरुद्वारों में बैसाखी मना सकें। द ट्रिब्यून और अन्य समाचार पत्रों में इस मौके पर हाथ जोड़े खुशी–खुशी जा रहे वरिष्ठ नागरिकों की तस्वीरें छापीं, जो एक आनंदमयी तीर्थयात्रा की शुरुआत है।

दूसरी ओर, 17 लंबे सालों से, निर्वाचित सरकारों और अपनी जनता को बंधक बनाकर रखने वाले पाक सैन्य प्रतिष्ठान ने न केवल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार पर, बल्कि पूरे मीडिया पर भी कड़ा शिकंजा कस रखा है दृ ताकि मुंबई के भयावह कांड पर प्रकाशक की कलम से निकलकर एक भी शब्द पन्ने पर छप न पाए। और इसलिए इस कांड में शामिल लश्कर–ए–तैयबा के सह–संस्थापक हाफिज सईद से शुरू करके जकी–उर–रहमान लखवी तक के तमाम साजिशकर्ता खबरों से गायब हैं। शिकागो जेल में बंद दूसरे मास्टरमाइंड डेविड हेडली का भी कोई जिक्र नहीं है। मेजर इकबाल हो या साजिद मीर या अब्दुल रहमान, हाशिम सैयद या फिर इलियास कश्मीरी, इनपर भी कोई बात नहीं है दृ सभी के खिलाफ एनआईए ने आरोप पत्र दायर कर रखा है और वे आज भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। मुंबई के उन दिनों और रातों की यादें पाक पर कफन की तरह मंडरा रही हैं। आमतौर पर तेवर रखने वाला पाकिस्तानी मीडिया, वह जो अतीत में अयूब खान से लेकर टिक्का खान तक के तानाशाहों और निरंकुश शासकों के सामने डटा रहा दृ जब पत्रकारों को पीटा गया, जेल में डाला गया, प्रताड़ित किया गया, उनके परिजनों को धमकाया गया– ऐसा लगता है कि अब उनका मुंह बंद हो चुका है, वे थक चुके हैं, बुढ़ा गए हैं। हो सकता है उन्होंने होंठ इसलिए सिल रखे हों कि उन्हें नई सुबह का इंतजार हो शायद मुंबई के बारे में कुछ ऐसा है, जिसने चुप्पी का लिहाफ ओढ़े रखना सुनिश्चित कर रखा है। नवाज शरीफ को देशद्रोह का केस झेलने के अलावा, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जनरल महमूद दुर्रानी को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी थी, जब उन्होंने 2009 में स्वीकारा कि कसाब एक पाक नागरिक है। केवल खोसा बचे रहे। इसी बीच, पाक सेना की नजर–ए–इनायत इमरान खान से हटकर नवाज के छोटे भाई शहबाज और नवाज शरीफ की बेटी मरियम, जोकि पंजाब की मुख्यमंत्री हैं, की तरफ हो गई है। पाक के आधे अभिजात्य वर्ग के पास दोहरे पासपोर्ट हैं, लिहाजा उनका एक पांव पश्चिम में रहता है, और हालात प्रतिकूल होते ही वहां खिसक लेते हैं। अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। चीन का साया और गहराता एवं पुख्ता होता जा रहा है। तथापि खोसा के 2015 के लेख के हर शब्द की गूंज बनी हुई है। न तो वे कभी अपनी इस कथनी से पीछे हटे,न ही डॉन, भले ही इन दोनों ने अब चुप्पी साधी हो। खोसा ने उस लेख में मुंबई कांड के सूत्रधारों पर फेडरल एजेंसी की जांच में कहा रू 'सर्वप्रथम, कसाब एक पाक नागरिक है, जिसके घर, प्रारंभिक स्कूल व आतंकी संगठन से जुड़ने का जांचकर्ताओं ने पता लगा लिया था। दूसरे, लश्कर–ए–तोयबा के आतंकवादियों को सिंध के थट्टा के पास प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें समुद्र के रास्ते रवाना किया गया। जांचकर्ताओं ने प्रशिक्षण शिविर की शिनाख्त की और जांच हेतु कब्जे में ले लिया। मुंबई में प्रयुक्त विस्फोटक उपकरणों के खाली बक्से शिविर से बरामद हुए थे । तीसरा,आतंकी जिस भारतीय नौका से मुंबई पहुंचे थे, उसको अगवा करने के पहले आतंकवादियों के ट्रॉलर को वापस बंदरगाह पर लाया गया, उसे रंगा गया और छिपा दिया गया। इसकी बरामदगी से आरोपियों की कड़ी जुड़ी। चौथा, मुंबई बंदरगाह के पास आतंकियों ने जो 'डिंगी' लावारिस छोड़ी, उसके इंजन पर लगे पेटेंट नंबर के जरिए जांचकर्ताओं ने जापान से लाहौर और फिर कराची में खेल का सामान बेचने वाली दुकान तक पहुंचने तक के आयात–रूट का पता चला लिया। वहीं से लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े एक आतंकी ने इसे डिंगी सहित खरीदा था। जांच आरोपी से जुड़ी, उसे गिरफ्तार किया गया। पांचवां, कराची का वह ऑपरेशन रूम, जहां से कांड को निर्देशित किया गया, उसे भी जांचकर्ताओं ने कब्जे में लिया। वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल के जरिए स्थापित संचार तंत्र का पता लगा। छठा, कथित कमांडर व उसके सहयोगियों की पहचान हुई, उन्हें गिरफ्तार किया गया। सातवां, विदेशों में बसे कुछ फाइनेंसरों व सुविधा प्रदानकर्ताओं को गिरफ्तार कर मुकदमे हेतु पाक लाया गया।' लेख के अंत में खोसा ने कहा कि भारतीय आधिकारियों नें 2009 में यह माना था कि पाक ने अपनी जांच को पेशागत दक्षता से अंजाम दिया, जिसमें सात साजिशकर्ताओं पर आरोप तय हुए, लेकिन उन्होंने चेताया कि 'बाकी गायब कड़ियों' को जोड़ने की जरूरत भी है। और पूछा रू 'क्या बतौर राष्ट्र इस सच का सामना करने व देश के सामने खड़े आतंकवाद का सामना करने की हिम्मत जुटाने को हम तैयार हैं?'

आत्मनिर्भरता की तरफ ठोस कदम बढ़ाए भारत

डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालते समय वादा किया था कि वे विश्व में शांति के प्रतीक बनेंगे। उन्होंने इस्राइल–हमास संघर्ष को समाप्त कराने और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मित्रवत संबंधों के आधार पर रूस–यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बात कही थी। लेकिन धरातल में ये संभव न हुआ। अब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, आर्थिक मोर्चे पर भी लड़े जा रहे हैं। देश और नेता, जो मूलतः व्यापारी मानसिकता रखते हैं, अब टैरिफ के जरिए एक–दूसरे को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इस आर्थिक युद्ध में जनता की आजीविका, देश की अर्थव्यवस्था और व्यापारिक स्थिरता बुरी तरह प्रभावित होती है। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने कार्यकाल में दर्जनों देशों के खिलाफ टैरिफ वॉर की शुरुआत की। इन देशों पर अमेरिका ने 10 से 50 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाया। इस नीति का असर केवल वैश्विक व्यापार पर ही नहीं, बल्कि मंदी, बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता के रूप में साफ दिखने लगा है। अमेरिका ने भारत से आने वाले उत्पादों पर भी शुल्क लगाकर स्पष्ट कर दिया कि वह अब अपनी 'उदार' नीतियों में बदलाव लाएगा। नतीजतन भारत में महंगाई बढ़ेगी, शेयर बाजार गिरे और आर्थिक योजनाएं प्रभावित हुईं। भारत, जो अमेरिका से जो उत्पाद आयात करता है, अब मूल्य और कर दोनों के दबाव में है। यदि अमेरिका इन वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाता है, तो भारतीय बाजार में महंगाई बढ़ेगी। आरबीआई की मौद्रिक नीतियां भी अस्थिरता से प्रभावित हो रही हैं। अमेरिका का कहना है कि भारत और अन्य देश अपने निर्यात पर अत्यधिक शुल्क लगाते हैं, इसलिए वह भी जवाबी शुल्कों की एक शृंखला लागू ।

..... विविध .....

फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन–1 बड़ा चम्मच

नारियल तेल – छोटा चम्मच

विटामिन E कैप्सूल – 2

पिघला हुआ मोम दृ थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए। 20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा। स्किन की ड्राईनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी। यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं। तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान।

अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

छोटे बच्चों को मत खिलाए ये 6 चीजें, सेहत पर पड़ता है बुरा असर

बच्चों का खानपान उनके शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। अगर बच्चों का खानपान सही और पोषक तत्वों से भरपूर होता है तो उनकी सेहत भी सही रहती है। लेकिन, अगर उनका खानपान सही नहीं होता तो ना सिर्फ उनकी सेहत बिगड़ती है, बल्कि उनका शारीरिक और मानसिक विकास भी प्रभावित होता है। कुछ समय पहले बच्चों को घर का बना खाना मिलता था और कभी–कभी बाहर का खाना भी दिया जाता था, लेकिन अब बच्चे बाहर का खाना ज्यादा खाते हैं और घर में भी पैकेटबंद चीजें ज्यादा मिलती हैं। ऐसे में बच्चों के खानपान का सही तरीके से ख्याल रखना और भी जरूरी हो गया है।

बच्चों को इन चीजों से दूर रखना चाहिए

हाई शुगर वाले सीरियल्स

बच्चों को नाश्ते में सीरियल्स बहुत अच्छे लगते हैं, लेकिन बाजार में मिलने वाले हाई शुगर वाले सीरियल्स उनके लिए बिल्कुल सही नहीं होते। ये सीरियल्स बच्चों का शुगर लेवल बढ़ा सकते हैं, जिससे भविष्य में शुगर की समस्याएं हो सकती हैं। इसीलिए बच्चों को इन सीरियल्स से बचाना चाहिए और उन्हें कम शुगर वाले सीरियल्स या फिर अन्य पौष्टिक नाश्ते दिए जा सकते हैं।

प्रोसेस्ड स्नैक्स

बच्चों को चिप्स, बिस्कुट, कुकीज जैसी प्रोसेस्ड स्नैक्स खाने का बहुत मन करता है, लेकिन इसका नियमित सेवन उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। इनमें ज्यादा वसा, शर्करा और नमक होता है, जो बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इन्हें हफ्ते में एक या दो बार ही दिया जाना चाहिए, न कि हर दिन।

फास्ट फूड

फास्ट फूड जैसे पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज आदि बच्चों के लिए स्वादिष्ट होते हैं, लेकिन ये सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। फास्ट फूड में अधिक वसा, शर्करा और नमक होता है, जो बच्चों को मोटा बना सकता है और उनके कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को भी प्रभावित कर सकता है। इसीलिए

फास्ट फूड का सेवन सीमित करना चाहिए, और महीने में एक या दो बार ही इन्हें दिया जाना चाहिए।

कैफीन

छोटे बच्चों को चाय या कॉफी देने से बचना चाहिए। बच्चों को दूध की जरूरत होती है, न कि कैफीन युक्त पेय। चाय या कॉफी बच्चों की नींद को खराब कर सकती हैं और उनके नर्वस सिस्टम पर नेगेटिव असर डाल सकती हैं। इसलिए बच्चों को इन पेय पदार्थों से दूर रखना चाहिए।

प्रोसेस्ड मीट

पैकेटबंद प्रोसेस्ड मीट जैसे सॉसेज, हैम और बेकन बच्चों के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इनमें ज्यादा सोडियम, अनहेल्दी फैट्स और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं, जो बच्चों की सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। इनका सेवन सीमित करना चाहिए और ताजे मीट का चुनाव करना चाहिए।

शुगर युक्त ड्रिंक्स

बच्चों को कोल्ड ड्रिंक्स, सॉफ्ट ड्रिंक्स और अन्य शुगर युक्त पेय पदार्थों से दूर रखना चाहिए। इन पेय पदार्थों में बहुत ज्यादा शर्करा होती है, जो बच्चों के वजन को बढ़ा सकती है और उनके दांतों को भी खराब कर सकती है। इसके बजाय बच्चों को ताजे फल का रस या पानी देना ज्यादा बेहतर होता है।

दिल और किडनी का ख्याल रखना है तो खाएं ये खास चीज, डॉक्टरों की भी है यही सलाह!

दिल और किडनी हमारे शरीर के दो अहम अंग हैं। अगर ये स्वस्थ हैं, तो आप भी हेल्दी रह सकते हैं। यही कारण है कि इन अंगों का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट दावा करती है कि चीकू खाने से दिल और किडनी की सेहत सुधर सकती है। क्या यह सच है? इस दावे की जांच करने के लिए सजग फैक्ट चेक टीम ने इसकी पड़ताल की है।

चीकू और उसकी खासियत

चीकू एक मीठा और स्वादिष्ट फल है, जो न केवल स्वाद में बेहतरीन होता है, बल्कि इसके स्वास्थ्य लाभ भी कई हैं। सोशल मीडिया पोस्ट का दावा है कि चीकू खाने से किडनी और दिल को फायदा होता है, साथ ही यह खून की कमी को भी दूर करता है और खून की नसों को मजबूत करता है। इस दावे की सच्चाई को जानने के लिए हमने कंसल्टेंट डायटीशियन और सर्टिफाइड डायबिटीज एजुकेटर पूजा शाह भावे से सलाह ली।

चीकू के पोषण तत्व

चीकू में पोटेशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें नेचुरल एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो दिल और किडनी की सुरक्षा करते हैं। चीकू डायट्री फाइबर से भी भरपूर होता है, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीकू को बैलेंस डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि इसके स्वास्थ्य लाभ मिल सकें।

चीकू का सेवन सही तरीके से करें

अगर आप चीकू को अपनी डाइट में शामिल करना चाहते हैं, तो यह सलाह दी जाती है। कि इसे नियमित रूप से खाएं।

दुबले-पतले लोगों के लिए चिंता की खबर, कम वजन दे रहा है शुगर की बीमारी को न्यौता

दुनिया भर में जहां ब्लड शुगर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं कुपोषण से होने वाली मधुमेह की एक कम ज्ञात बीमारी जिसे टाइप–5 मधुमेह कहा जाता है दशकों बाद दुनिया भर में चर्चा में आ रही है। युवा और दुबले–पतले वयस्कों में अक्सर होने वाली इस बीमारी को पहली बार 1955 में जमैका में रिपोर्ट की गई थी और फिर इसे जे–टाइप मधुमेह के रूप में परिभाषित किया गया था 1960 के दशक में, भारत, पाकिस्तान और उप–सहारा अफ्रीका के कुछ हिस्सों में कुपोषित आबादी में इस बीमारी की रिपोर्ट की गई थी। यह कुपोषण से संबंधित मधुमेह है, जो आम तौर पर कम और मध्यम आय वाले देशों में दुबले–पतले और कुपोषित किशोरों और युवा वयस्कों को प्रभावित करता है। अनुमान है कि टाइप 5 मधुमेह दुनिया भर में 20 से 25 मिलियन लोगों को प्रभावित करता है, मुख्य रूप से एशिया और अफ्रीका में।

पहले के निष्कर्षों ने सुझाव दिया था कि कुपोषण से संबंधित मधुमेह इंसुलिन प्रतिरोध से उपजा है। हालांकि, टाइप 1 मधुमेह के रोगियों की तरह इंसुलिन इंजेक्शन से इन रोगियों को कोई लाभ नहीं होगा। कुछ मामलों में, यह खतरनाक रूप से कम रक्त शर्करा का कारण बन सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ष्इस प्रकार के मधुमेह वाले लोगों में इंसुलिन स्रावित करने की क्षमता में गंभीर दोष होता है, जिसे पहले पहचाना नहीं गया था।

टाइप–2 मधुमेह से अलग है ये बीमारी

डायबिटीज केयर नामक पत्रिका में प्रकाशित 2022 के एक अध्ययन में दावा किया गया कि कुपोषण से संबंधित मधुमेह टाइप–2 मधुमेह से मौलिक रूप से अलग है, जो आमतौर पर मोटापे के कारण होता है और टाइप 1 मधुमेह एक ऑटोइम्यून बीमारी है। हालांकि, विशेषज्ञ ने कहा कि ष्डॉक्टर अभी भी अनिश्चित हैं कि इन रोगियों का इलाज कैसे किया जाए, जो अक्सर निदान के बाद एक साल से अधिक समय तक जीवित नहीं रहते हैंष्। स्थिति को बेहतर ढंग से समझने और उपचार विकसित करने के लिए, प्क्थ् ने एक कार्य समूह का गठन किया है।

कुपोषण इसका जिम्मेदार क्यों है?

कुपोषण यानी पोषण की कमी विशेषकर प्रोटीन और कैलोरी की कमी, शरीर के मेटाबॉलिज्म (चयापचय) को बुरी तरह प्रभावित करती है।

इसके कारके अग्न्याशय (च्ंदबतमें) पूरी तरह विकसित नहीं होता, जिससे इंसुलिन का उत्पादन घट जाता है। शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं। मांसपेशियां और अंगों की कार्यक्षमता कम हो जाती है, जिससे ब्लड शुगर नियंत्रित नहीं हो पाता।

कार्य समूह क्या करेगा?

विशेषज्ञों का कहना है कि– ष्कुपोषण से संबंधित मधुमेह तपेदिक से अधिक आम है और एचआईवीध्एड्स जितना ही आम हैष्। आधिकारिक नाम की कमी ने रोगियों के निदान या प्रभावी उपचार खोजने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न की है।ष् टाइप–5 डायबिटीज यानी कुपोषण से जुड़ी मधुमेह, भारत जैसे देशों में एक गंभीर और अक्सर नजरअंदाज की जाने वाली बीमारी है। इसे केवल चिकित्सा से नहीं, बल्कि सामाजिक और पोषण संबंधी सुधारों से भी नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रदेश में बढ़ेगी तपिश, डाउन ड्राफ्ट से लखनऊ में अचानक आठ डिग्री गिरा पारा

लखनऊ , (संवाददाता)। यूपी में आज से मौसम में बदलाव शुरू जो जाएगा। प्रदेश के कई जिलों में आज पारा चालीस डिग्री को पार कर सकता है। इसके पहले पूरे प्रदेश में रविवार को कई जिलों में

आंधी और बरसात हुई। दक्षिणी व तराई के लगभग 40 जिलों में तेज हवा और गरज–चमक के साथ बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को दिन में सोनभद्र, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर, अमेठी, फतेहपुर, सुल्तानपुर, कानपुर, बांदा समेत बुंदेलखंड के इलाकों में हवा संग बूंदाबांदी देखने को मिली। इनमें से ज्यादातर जगहों पर 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार से पूर्वी–तराई के कुछ हिस्सों को छोड़कर बाकी प्रदेश में मौसम साफ रहने की उम्मीद है। सोमवार से धीरे–धीरे दोबारा तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार से तराई के कुछ हिस्सों को छोड़कर प्रदेश के बाकी हिस्से में फिलहाल बूंदाबांदी का दौर थमेगा। 14 से 18 अप्रैल के बीच पारे में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी और गर्मी दोबारा जोर पकड़ेगी। राजधानी में रविवार को दिन भर उमस भरी गर्मी के बाद शाम में अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और थोड़ी देर बाद हवा में अच्छी–खासी ठंडक घुल गई। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को दिन भर पांच से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं की रफ्तार शाम को अचानक 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक हो गई। साथ ही पारा अचानक आठ डिग्री तक नीचे गिर गया। मौसम विशेषज्ञों ने पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद बनी ऐसी परिस्थिति को डाउन ड्राफ्ट बताया। सोमवार से दोबारा तापमान और गर्मी में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 1.4 डिग्री की उछाल के साथ 36.2 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं 0.5 डिग्री की बढ़त के साथ रात का पारा 22.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। जानिए, क्या है डाउन ड्राफ्ट घटना आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बहराइच के आसपास विक्षोभ के पश्च भाग से पैदा हुए तड़ित झंझावात से मध्य क्षोभ मंडल की ठंडी पछुआ हवाएं जमीन पर आ गईं। इससे अचानक हवाओं का वेग बढ़ गया और महज बीस मिनट में पारा आठ डिग्री सेल्सियस नीचे गिर गया। इस रेयर मौसमी घटना को डाउन ड्राफ्ट कहते हैं। आश्चर्य है कि इसका असर बहराइच क्षेत्र से लगभग 100 दूर राजधानी में दिखाई दिया। सोमवार को धूप खिलते ही पारे में उछाल आएगी और मौसम में दोबारा गर्माहट बढ़ेगी। रविवार को राजधानी के छह वायु गुणवत्ता मापक स्टेशनों में से कुकरैल, गोमतीनगर, बीबीएयू और अलीगंज की हवा हरे यानी सेहत के लिए अच्छे श्रेणी में रही। लालबाग और तालकटोरा की हवा पीली यानी मध्यम श्रेणी में रिकॉर्ड की गई।

राम मंदिर के गर्भगृह के मुख्य शिखर पर स्थापित किया गया कलश, 16 अन्य मंदिरों पर भी होगी स्थापना

लखनऊ , (संवाददाता)। राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश स्थापना का काम शुरू कर दिया गया है। सतुआ संक्रांति के शुभ मुहूर्त पर राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह के मुख्य शिखर पर कलश पूजन विधि शुरू करके कलश स्थापित किया गया। तीन वैदिक आचार्यों ने कलश पूजन कराया। राम मंदिर समेत जन्मभूमि परिसर में बन रहे अन्य 16 मंदिरों के शिखर पर भी अब कलश स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जैसे–जैसे मंदिर के शिखर तैयार होते जाएंगे, उन पर कलश भी स्थापित होता जाएगा। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सोमवार को बताया कि राम मंदिर के संपूर्ण परिसर में भवन निर्माण समिति की ओर से किए जा रहे काम छह महीने में समापन की तरफ बढ़ रहे हैं। तीन आवश्यक कार्य ऐसे हैं, जिनको शुरू किया जाना अति आवश्यक है। इसके अलावा किसी भी तरीके के नए निर्माण का काम नहीं किया जाएगा। प्रमुख रूप से तत्काल सुरक्षा की दृष्टि से दीवार का निर्माण होना है, जो लगभग चार किलोमीटर लंबी है और इसे 18 महीने में तैयार किया जाएगा। इसका निर्माण इंजीनियर इंडिया लिमिटेड की ओर से किया जाएगा। राम मंदिर की सुरक्षा दीवार के लिए ऊंचाई और उसके स्वरूप को लेकर अंतिम निर्णय ले लिया गया है। मिट्टी के सॉइल टेस्ट के साथ ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने बताया कि राम मंदिर में यात्री सुविधा केंद्र की क्षमता बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसको लेकर राम मंदिर परिसर में 10 एकड़ भूमि पर शू रैक और 62 काउंटर बनाए जा रहे हैं। इसमें यात्री अपनी सुविधा से सामान रख सकेंगे। राम मंदिर परिसर में 10 एकड़ पर साधना स्थल या यूं कहा जाए कि एक पार्क बनाया जा रहा है। इसका धार्मिक गतिविधि में इस्तेमाल किया जाएगा। इस पार्क में रामभक्त अपने आराध्य का पूजन अर्चन राम जन्मभूमि परिसर में कर सकेंगे। इसके साथ ही इस पार्क को कुबेर टीला स्थित पार्क से मिलाया जाएगा ताकि दोनों स्थलों पर हरियाली बनी रहे।

ब्रेनडेड के बाद अंगदान के लिए आगे आए सिर्फ पांच परिवार, ज्यादातर मामले जीवित अंगदान के

लखनऊ , (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में किडनी और लिवर प्रत्यारोपण तो हो रहे हैं, लेकिन ब्रेनडेड मामलों में अंगदान की स्थिति बेहद खराब है। ट्रांसप्लांट डायरेक्ट–2025 में प्रकाशित संजय गांधी पीजीआई के साझा अध्ययन की रिपोर्ट के मुताबिक, साल भर में हुए 233 प्रत्यारोपण में ब्रेनडेड व्यक्तियों के अंगदान वाले सिर्फ पांच मामले ही रहे। बाकी सभी प्रत्यारोपण जीवित व्यक्ति से अंगदान वाले रहे। यह रिपोर्ट वर्ष 2022 तक के आंकड़ों पर तैयार की गई है। मौजूदा समय में प्रदेश में 40 हजार मरीजों को किडनी ट्रांसप्लांट और 15 हजार को लिवर प्रत्यारोपण की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में कुल 225 किडनी प्रत्यारोपण हुए। इनमें सिर्फ एक मामला ब्रेनडेड अंगदान का था। वहीं, लिवर प्रत्यारोपण के महज आठ मामले हुए और इसमें चार मामले ब्रेनडेड से अंगदान वाले थे। बाकी सभी में परिवार के किसी न किसी व्यक्ति ने अंगदान करके अपने रिश्तेदार की जान बचाई। ब्रेनडेड होने की सूरत में व्यक्ति के अंग दान में लेकर जरूरतमंद को प्रत्यारोपित किए जाते हैं। इसके लिए परिवार की सहमति जरूरी होती है। परिवार वालों में जागरूकता की कमी की वजह से अंगदान नहीं हो पाता है। ऐसे में ब्रेनडेड व्यक्ति से किसी अन्य मरीज को जीवन मिलने की संभावना भी दम तोड़ देती है।

चोरी के स्लीपरों से बिछाने वाले थे एफसीआई के लिए रेलवे ट्रैक, छापेमारी कर चार आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे के पैंतीपुर स्टेशन के पास से चोरी हुए स्लीपरों से कानपुर में फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) गोदाम के लिए नया रेलवे ट्रैक बिछाया जाना था। आरपीएफ की क्राइम ब्रांच ने मामले में छापा मारकर कार्रवाई की है। चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर टीम ने 255 स्लीपर बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत 8.16 लाख रुपये है। आरोपियों की पहचान एटा के पिलुआ निवासी अरविंद कुमार, सीतापुर के लहरपुर निवासी दीपक कुमार दीक्षित, सीतापुर के खैराबाद निवासी पुरुषोत्तम और पीलीभीत के पूरनपुर निवासी अर्जुन सिंह के रूप में हुई। मामला पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल का है। आरपीएफ कमांडेंट चंद्रमोहन मिश्र ने बताया कि दस अप्रैल को मंडल के पैंतीपुर स्टेशन के पास से रेलवे के 255 स्लीपर चोरी हुए थे। मामले में आरपीएफ, बाराबंकी के बुढ़वल में चोरी का केस दर्ज कराया गया था। अरविंद कुमार सहित अन्य के खिलाफ यह मामला दर्ज हुआ था। मामले की जांच पोस्ट कमांडर, रेलवे सुरक्षा बल बुढ़वल अजमेर सिंह यादव को मिली थी। उन्होंने 11 अप्रैल को लखनऊ जंक्शन की आरपीएफ क्राइम ब्रांच टीम के साथ कार्रवाई की। टीम ने चंदारी, कानपुर स्थित फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) से चोरी के स्लीपर बरामद किए। आरपीएफ क्राइम ब्रांच ने बताया कि दो ट्रकों में लदे स्लीपर बरामद किए गए। एक ट्रक (यूपी 82 एटी 3157) में 105 और दूसरे ट्रक (यूपी 25 डीटी 1320) में 150 रेलवे स्लीपर जब्त किए गए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि चोरी किए गए स्लीपरों को फर्जी चालान के जरिये देवी मां शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी को आपूर्ति के लिए एफसीआई गोदाम, चंदारी भेजा गया था। फर्जी चालान पाटिल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, बुढ़वल के नाम से तैयार किया गया था। आरपीएफ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पैतीपुर स्टेशन के पास से जिन स्लीपरों को चोरी किया गया, उनका इस्तेमाल एफसीआई गोदाम के लिए नया ट्रैक बिछाने में होना था। इससे नया ट्रैक बनता, ताकि एफसीआई गोदाम तक लदान व उतरान हो सके। सूत्र बताते हैं कि 500 मीटर प्राइवेट लाइन बिछानी थी, जिसमें 2500 स्लीपरों का इस्तेमाल होना था।

संक्षिप्त समाचार

बीबीएयू में अब हर सप्ताह कॅरिअर काउंसिलिंग

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में अब हर सप्ताह विद्यार्थियों की कॅरिअर काउंसिलिंग की शुरुआत होगी। साथ ही कैंपस की प्लेसमेंट सेल को भी सक्रिय किया जाएगा। काउंसिलिंग के दौरान अलग–अलग इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञ, अधिकारी विद्यार्थियों के कॅरिअर से जुड़े सवालों का समाधान करेंगे। साथ ही रोजगार के लिए बड़ी कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसका उद्देश्य छात्रों को पढ़ाई के साथ रोजगार दिलवाना है। कॅरिअर काउंसिलिंग के दौरान युवाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। एक अप्रैल को कुलपति प्रो. मित्तल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। तब उन्होंने सलाह दी थी कि राज्य में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना चल रही है। इसके माध्यम से युवाओं के रोजगार व उनके विकास को लेकर विश्वविद्यालय की ओर से कदम उठाया जाए तो बेहतर परिणाम आएंगे। युवा उद्यमी विकास योजना के तहत पांच लाख रुपये का ऋण दिया जाता है। ऐसे में विद्यार्थियों को स्वरोजगार व स्टार्टअप संबंधी योजनाओं से जोड़ने के लिए विवि ने कार्ययोजना बनाई है। कुलपति के मुताबिक विश्वविद्यालय में आज की जरूरत के अनुसार विद्यार्थियों के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू होंगे। पैरामेडिकल साइंसेज, एग्रीकल्चर, योग सहित छोटे–छोटे रोजगार से जुड़े कोर्सों की भी शुरुआत की जाएगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, भाई गंभीर

लखनऊ, (संवाददाता)। बीबीडी में रविवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक बाराबंकी के रामनगर निवासी मनीष (20) की मौत हो गई। उनके भाई रंजीत की हालत गंभीर है। मनीष कुमार बड़े भाई रंजीत के साथ बीबीडी इलाके में दयाराम का पुरवा में किराये पर रहते थे। मनीष रामस्वरूप कॉलेज में नौकरी करते थे। शाम को दोनों भाई बाइक से बाराबंकी जा रहे थे। अनौरा कलां गांव के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से मनीष की बाइक अनियंत्रित क्कर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को लोहिया अस्पताल में भर्ती करवाया। वहां मनीष की मौत हो गई। इंस्पेक्टर राम सिंह के मुताबिक आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

चोरी के स्लीपरों से बिछाने वाले थे एफसीआई के लिए रेलवे ट्रैक

लखनऊ , (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे के पैंतीपुर स्टेशन के पास से चोरी हुए स्लीपरों से कानपुर में फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) गोदाम के लिए नया रेलवे ट्रैक बिछाया जाना था। आरपीएफ की क्राइम ब्रांच ने मामले में छापा मारकर कार्रवाई की है। चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर टीम ने 255 स्लीपर बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत 8.16 लाख रुपये है। आरोपियों की पहचान एटा के पिलुआ निवासी अरविंद कुमार, सीतापुर के लहरपुर निवासी दीपक कुमार दीक्षित, सीतापुर के खैराबाद निवासी पुरुषोत्तम और पीलीभीत के पूरनपुर निवासी अर्जुन सिंह के रूप में हुई। मामला पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल का है। आरपीएफ कमांडेंट चंद्रमोहन मिश्र ने बताया कि दस अप्रैल को मंडल के पैंतीपुर स्टेशन के पास से रेलवे के 255 स्लीपर चोरी हुए थे। मामले में आरपीएफ, बाराबंकी के बुढ़वल में चोरी का केस दर्ज कराया गया था। अरविंद कुमार सहित अन्य के खिलाफ यह मामला दर्ज हुआ था। मामले की जांच पोस्ट कमांडर, रेलवे सुरक्षा बल बुढ़वल अजमेर सिंह यादव को मिली थी। उन्होंने 11 अप्रैल को लखनऊ जंक्शन की आरपीएफ क्राइम ब्रांच टीम के साथ कार्रवाई की। टीम ने चंदारी, कानपुर स्थित फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) से चोरी के स्लीपर बरामद किए।

आंबेडकर जयंती, पूरे प्रदेश में विविध आयोजन, कई कार्यक्रमों में सीएम होंगे शामिल

लखनऊ , (संवाददाता)। संविधान रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती सोमवार को पूरे प्रदेश में मनाई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डॉ. आंबेडकर के जन्मदिवस समारोह के कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वह सुबह हजरतगंज स्थित श्संविधान शिल्पीश की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। तत्पश्चात,

अंबेडकर महासभा परिसर में आयोजित जन्म दिवस समारोह को संबोधित करेंगे। यह आयोजन बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा के तत्वावधान में होगा। इस अवसर पर राज्य सरकार के साथ तमाम राजनीतिक दल भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेंगे। बहुजन समाज पार्टी द्वारा लखनऊ और नोएडा में डॉ. आंबेडकर को याद किया जाएगा। बसपा सुप्रीमो मायावती डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कार्यकर्ताओं के नाम संदेश जारी करेंगी। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों को अपने कुनबे के साथ कार्यक्रमों में शामिल होने को कहा है ताकि नई पीढ़ी भी अपने महापुरुषों के योगदान के बारे में जान सके। साथ ही, पार्टी की युवा शक्ति को ऐसे कार्यक्रमों के साथ जोड़कर बसपा की नीतियों आदि के बारे में अवगत कराया जा सके। सपा मुख्यालय में भी डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। गोमतीनगर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल में सोमवार को श्हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमानश कार्यक्रम होगा, जिसमें बाबा साहेब के कृतित्व व व्यक्तित्व की जानकारी दी जाएगी। इसमें अन्य राज्यों के साथ स्थानीय लोक कलाकार संगीतमयी प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा अभिलेख प्रदर्शनी भी लगेगी। कांग्रेस हर जिले में सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती मनाएगी। इस संबंध में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सभी जिलाध्यक्षों एवं शहर अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें डॉ. आंबेडकर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान बाराबंकी में आयोजित संविधान सम्मान महासम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में रविवार को पूरे प्रदेश में वृहद स्वच्छता अभियान चला। इस दौरान पार्कों, स्मारकों, चौराहों, सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर समेत सभी महापुरुषों व राष्ट्रनायकों की प्रतिमा की साफ–सफाई हुई। सीएम के आह्वान पर इसमें सर्वसमाज ने योगदान दिया तो जनप्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों, आमजन सहित सर्वसमाज की भी भागीदारी रही। इस दौरान वाराणसी के 694 ग्राम पंचायत में रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। वाराणसी के सभी 100 वार्ड में सफाई अभियान चला। इसी तरह चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर, अलीगढ़, शाहजहांपुर, प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, अयोध्या, आगरा, झांसी, एटा, गोरखपुर, देवरिया, बरेली, पीलीभीत, बदायूं श्रावस्ती, हापुड़, अमेठी, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, महराजगंज, बलरामपुर, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, गोंडा, बहराइच, इटावा, बाराबंकी, सोनभद्र, हमीरपुर, चित्रकूट, बांदा, महोबा, मुजफ्फरनगर, कन्नौज समेत सभी 75 जिलों में भी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर व अन्य राष्ट्र नायकों की प्रतिमा की साफ–सफाई की गई।

41 फीसदी ने सीडीएस, 26 प्रतिशत ने छोड़ी एनडीए की परीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के 63 केंद्रों पर रविवार को संघ लोक सेवा आयोग की ओर से एनडीए, सीडीएस की परीक्षा करवाई गई। एनडीए की परीक्षा से 26 और सीडीएस के एग्जाम से 41 फीसदी अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सीडीएस प्रथम के लिए 21 और एनडीए और एनए–प्रथम के 42 केंद्र बनाए गए थे। एनडीए की परीक्षा दो व सीडीएस की परीक्षा तीन पालियों में हुई। परीक्षा पर नजर रखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट और हर केंद्र पर पर्यवेक्षक तैनात रहे। सीडीएस परीक्षा की पहली पाली में 5500, दूसरी में 5504 और तीसरी में 2637 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। एनडीए और एनए–प्रथम परीक्षा की पहली पाली में 14611 और दूसरी में 14511 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। सीडीएस में 23,168 में से 9527 और एनडीए में 39,550 में से 10,428 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। कानपुर से एनडीए की परीक्षा देने आए सुधांशु ने बताया कि अंग्रेजी के सवाल काफी कठिन और घुमावदार थे। इन्हें समझने में काफी समय लगा। सीडीएस की परीक्षा देने वाले सूरज कुमार ने बताया कि पहली पाली में जिसने अच्छे से तैयारी की होगी, वही पेपर हल कर पाया होगा। गणित के सवाल कठिन थे। सीडीएस की परीक्षा देने वाले लव राजपूत ने बताया कि इस बार गणित के सवाल पिछले साल की अपेक्षा में सरल थे। पूरा पेपर हल करने की कोशिश की है। शाश्वत शुक्ला ने बताया कि एलजेब्रा व कैलकुलस के सवाल कठिन थे। सामान्य ज्ञान के सवाल घुमावदार थे। विकल्प में मिलते–जुलते जवाब थे। परीक्षा में गणित और अंग्रेजी के सवालों ने परेशान किया। जीएस के घुमावदार सवाल हल करने में भी काफी समय लगा। निगेटिव मार्किंग के चलते अभ्यर्थियों ने कई सवाल छोड़ भी दिए।

आधी रोटी खाएंगे, स्कूल रोज जाएंगे...

लखनऊ, (संवाददाता)। आधी रोटी खाएंगे, स्कूल रोज जाएंगे। बेटियां पढ़ेंगी तो डॉ. इंजीनियर व अफसर बनेंगी...। ऐसे स्लोगनों के साथ राजधानी में स्कूल चलो अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक व डुग्गी पिटवाकर गुरुजी शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। परिषदीय स्कूलों में इस बार बीते वर्ष से अधिक नामांकन संख्या बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले साल करीब 1.75 बच्चे पंजीकृत थे। इस बार आकड़ा दो लाख पूरा करने की तैयारी है। इसके लिए हर ब्लॉक में जागरूकता अभियान से बच्चों को स्कूल तक लाने की कवायद की जा रही है। शहर के 1618 परिषदीय स्कूलों के नए सत्र में नामांकन संख्या बढ़ाने के लिए शिक्षकों को अभिभावकों से संवाद करने के निर्देश दिए गए हैं। मलिहाबाद, काकोरी, माल, गोसाईंगंज, सरोजनीनगर, मोहनलालगंज, बख्शी का तालाब सहित चारों नगर क्षेत्र में स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूक किया जा रहा है। मलिहाबाद के गांव रुसेना, मवई कला व कटौली जमालनगर में बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने के लिए रविवार को नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ। एआरपी हरिशंकर राठौर, योगेश द्विवेदी ने स्कूलों में दी जा रही निशुल्क सुविधाओं के बारे में लोगों को बताया। नुक्कड़ नाटक में सूचना विभाग का भी सहयोग रहा। शिक्षक मनोज कुमार, रमेश चंद्र ने परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। बताया गया कि निशुल्क पुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूता–मोजा, स्वेटर, मध्याह्न भोजन की व्यवस्था, डिजिटल शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, बाल केंद्रित शिक्षा राष्ट्रीय आय और योग्यता आधारित छात्रवृत्ति, इंस्पायर अवॉर्ड में बच्चों को दस हजार रुपये के प्रोजेक्ट के लिए सहायता राशि, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर आधारित शिक्षा, नवोदय विद्यालय, अटल आवासीय विद्यालयों में चयन के लिए निशुल्क कोचिंग की सुविधा दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मिट्टी वितरित किए जाने को लेकर दिया बयान

लखनऊ , (संवाददाता)। राम मंदिर परिसर में रामभक्तों को मिट्टी वितरित किए जाने को लेकर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने खंडन करते हुए बताया कि 10 एकड़ भूमि जहां पर साधना स्थल या पार्क बनाया जाएगा, उस स्थल पर पटाई की आवश्यकता और वहीं पर मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। जन्मभूमि की मिट्टी पूजनीय है और हम नहीं चाहते कि हमारी और राम भक्तों की आस्था को किसी तरीके की ठेस पहुंचे। इसलिए हम रामजन्म भूमि परिसर में ही इस मिट्टी का उपयोग करेंगे।

देश संविधान से चलना चाहिए, साजिशों के तहत खंडित की जाती रही हैं प्रतिमाएं –अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता)। आंबेडकर जयंती के मौके पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर लगी बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान ही हमारा रक्षक है। समाज के निचले और कमजोर तबके की रक्षा संविधान ही करेगा। अखिलेश यादव ने

कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने बचपन से ही भेदभाव झेला है। उन्होंने समाज में दलितों को लेकर जो भाव रहा है उसका सामना किया है। आंबेडकर ने बड़ी प्रतिकूल स्थितियों में अपने जीवन को आकार दिया। सपा प्रमुख ने कहा कि संविधान हमारी जीवन की संजीवनी है। आज भी समाज के एक हिस्से में उनको लेकर नफरत है। प्रदेश में कई जगहों पर आंबेडकर की प्रतिमाएं तोड़ी जाती हैं। यह सब इन्हीं बातों का संकेत है कि कुछ राजनीतिक दलों को वह स्वीकार्य नहीं हैं। सोचे और समझे तरीके से संविधान को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

हज यात्रा में बड़ा बदलाव, 12 से कम उम्र के बच्चे नहीं जा सकेंगे

लखनऊ , (संवाददाता)। हज की ख्वाहिश रखने वाले 12 साल से कम उम्र के बच्चे इस बार सऊदी अरब नहीं जा सकेंगे। सऊदी अरब सरकार ने इनका वीजा जारी नहीं किया है। ऐसे में 291 बच्चों के आवेदन निरस्त हो गए हैं। इनमें प्रदेश के 18 बच्चे भी शामिल हैं। प्रदेश से इस बार 13748 आजमीन को हज के लिए रवाना किया जाना है। हज के लिए रवाना होने वालों में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 18 बच्चे भी शामिल थे, जिनकी उम्र 12 साल से कम है। राज्य हज कमेटी के सचिव एसपी तिवारी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई ने सर्कुलर जारी कर अवगत कराया है कि हज–2025 में सऊदी अरब सरकार 12 वर्ष की आयु से कम के बच्चों का वीजा जारी नहीं कर रही है। उन्होंने बताया कि सऊदी सरकार की ओर से रोक लगाने की वजह से देश के विभिन्न राज्यों के 12 वर्ष से कम आयु के 291 बच्चे हज पर नहीं जा सकेंगे। एसपी तिवारी ने बताया कि जिस कवर नंबर में बच्चे शामिल हैं, उनमें अन्य हज यात्री हज पर जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि अगर प्रभावित कवर नंबर में कोई अन्य हज यात्री बच्चे के कारण अपनी यात्रा 14 अप्रैल तक ऑनलाइन व हज सुविधा एप के माध्यम से निरस्त कराने के लिए आवेदन करता है तो उनकी यात्रा निरस्त कर दी जाएगी। उन्हें किसी तरह का निरस्तीकरण शुल्क नहीं देना होगा। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल के बाद निरस्तीकरण पर नियमानुसार कटौती की जाएगी।

श्री राम रेखा सिंह इंटर कालेज उरुवा पर धूम–धाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

गोरखपुर ब्यूरो चीफ आशुतोष चौधरी

उरुवा बाजार (गोरखपुर)। श्री राम रेखा सिंह इंटर कालेज उरुवा बाजार में स्कूली बच्चों तथा अध्यापकों ने बाबा डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती धूमदृ धाम से मनाई। इस अवसर अध्यापकों तथा स्कूली बच्चों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रवक्ता संतोष सिंह ने कहा

कि बाबा साहब ने अपना जीवन दलितों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया था। डॉ राकेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि भीमराव अंबेडकर एक महान व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अजय ओझा ने कहा कि बाबा साहब ने दलितों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी और सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम किया। इस अवसर पर राधेश्याम पांडे, विजय प्रकाश मिश्रा,तिलक सिंह,हरिश्चंद्र,प्रताप जायसवाल, अमृतपाल, राघवेन्द्र यादव, प्रमोद कुमार, बृजेश यादव, अभिषेक यादव, दिग्विजय नाथ मिश्रा, शुभम राय, शिव मूर्ति चतुर्वेदी, प्रवीण श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

हाईवोल्टेज की चपेट में आ कर युवक की मौत

गोरखपुर ब्यूरो चीफ आशुतोष चौधरी

हरनही। बांसगांव थाने की हरनहीं पुलिस चौकी के सैरों गांव में आंबेडकर जयंती पर स्टील रॉड में लगा झंडा लहराने के दौरान हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। सैरों गांव के

बड़कापुरवा के निवासी जगदीश प्रसाद के पुत्र अभिषेक कुमार 22 वर्ष आज आंबेडकर जयंती के मौके पर सबेरे स्टील की रॉड में झंडा लगा कर लहराने के दौरान हाई वोल्टेज बिजली के तार से छू जाने के कारण करंट लगने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक बार झटका लगा तो युवक के हांथ से स्टील की रॉड छूट कर नीचे गिर गई, किंतु युवक ने उसे फिर से उठा लिया और ऊंचाई पर झंडा लहराते ही तेज करंट लगने से युवक जमीन पर गिर पड़ा, लोग उसे उठा कर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बड़े बेटे की मौत होते ही घर में चीख पुकार मच गई और पूरे गांव में मातम पसर गया, बताया गया कि दो भाईयों में मृत युवक बड़ा था।

अग्निशमन सप्ताह के तहत सीएफओ ने विभिन्न प्रतिष्ठानो के स्वामियों को किया जागरूक

अयोध्या।अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग द्वारा अग्निशमन सप्ताह के अंतर्गत आभा होटल, मोतीबाग अयोध्या में अयोध्या जनपद के होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला, मैरिज लॉन के मालिकों एवं प्रबंधकों की अग्निशमन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ अयोध्या होटल एसोसिएशन के सचिव अनिल अग्रवाल ने कार्यक्रम में आए मुख्य

अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह,प्रभारी अग्निशमन अधिकारी प्रदीप पांडे एवं होटल के प्रतिनिधियों का स्वागत किया।इस मौके पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी एम. पी. सिंह ने सभी प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों को आज से बचाव हेतु जानकारी दिया।इसके अलावा उन्होंने वहां पर मौजूद प्रतिष्ठानों के स्वामियों से अपने व्यापार के साथ गेस्ट की सुरक्षा के प्रति सदैव जागरूक रहने का अनुरोध किया।उन्होंने आग के बचाव के ।,ठ,ः प्रकार के सिलेंडर के महत्व एवं उपयोग के तरीके को बताया।गोष्ठी को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महामंत्री अरुण कुमार अग्रवाल, मानस भवन के प्रबंधक ट्रस्टी भागीरथ पचेरीवाला, मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष मक्खन लाल अग्रवाल, अयोध्या व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने संबोधित किया।गोष्ठी में फायर मैन सुनील कुमार, अवधेश पांडेय, सुनील शुक्ला, अतुल वर्मा एवं सुनील तिवारी शाहिद फायर विभाग के कई कर्मचारी उपस्थित थे।

विधायक ने डॉ बीआर अंबेडकर की प्रतिमा का किया लोकार्पण, मनाई गई जयंती

गोरखपुर ब्यूरो चीफ आशुतोष चौधरी

धुरियापार कस्बे में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की 134 वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा का अनावरण क्षेत्रीय विधायक राजेश त्रिपाठी ने किया इस अवसर पर उनकी जयंती धूमदृधाम से मनाई गई। समाजसेवी स्वर्गीय द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पूर्व में ही स्थापित की गई थी।लेकिन प्रतिमा का अनावरण के साथ ही उक्त स्थान का जीर्णोद्धार नहीं हो सका था।इसी बीच स्वर्गीय बिन्द्रेश गुप्ता का देहांत हो गया।उनके द्वारा अधूरे पड़े कार्यों का बीड़ा उनके सुपुत्र अरुण गुप्ता ने उठाया और स्वर्गीय बिन्द्रेश गुप्ता के सपनों को मूर्त रूप प्रदान करने में लगे हुए हैं। मूर्ति अनावरण के पश्चात मूर्ति पर माल्यार्पण कर लोगों ने बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि योगी मोदी बाबा साहब के सपने का एक ऐसा भारत बना रहे हैं जहां न कोई पीड़ित, शोषित, वंचित होगा और न कोई दीन–दुरुखी और उपेक्षित होगा। दलित, पिछड़े, सामान्य वर्ग के हर व्यक्ति को रोटी, कपड़ा, मकान, नौकरी, रोजगार, मान–सम्मान से जीवन जीने का समान अवसर देकर भारत राष्ट्र और उसके एक–एक नागरिक को शक्ति और सामर्थ्य से लबरेज करना लक्ष्य है। महिलाओं ने जयंती पर गीत सोहर गाकर बाबा साहब अंबेडकर के बलिदान को याद किया। उपस्थित कार्यकर्ताओं के बीच लोगो ने मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर किया किया। तथा कार्यक्रम का संचालन जय प्रकाश तिवारी ने किया। इस मौके पर अरुण कुमार गुप्ता, गौरी शंकर मिश्रा, सुधीर कुमार गुप्ता उर्फ मोनू, राजेश जायसवाल, रिंटू शाही, रामनरेश, सुरेंद्र प्रसाद, कृष्ण देव गुप्ता, मोतीलाल, नूरअसद खान, राजेश सोनकर, नीरज कुमार, गोरख प्रसाद, प्रिंस कुमार, भोला प्रसाद, विशाल रावण, बीरु कुमार, मुकेश कुमार, अमन कुमार, शुभम सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

लेखपाल अवधेश कुमार, राजेश कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक, मडियाहूँ का एक दिन का वेतन बाधित करने का निर्देश जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 15 अप्रैल,सचिव, उ०प्र० शासन, लोक शिकायत के निर्देश के अनुपालन में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के द्वारा 14 अप्रैल 2025 को आई०जी०आर०एस० पोर्टल पर अनुमोदन हेतु जिलाधिकारी के लागिन पर प्राप्त निस्तारण आख्या का परीक्षण किया गया। निरीक्षण में उन्होंने पाया कि जिलाधिकारी सन्दर्भ संख्या–20019425011714 श्रीमती सावित्री देवी, निवासी ग्राम कोदेला, तहसील मडियाहूँ, जौनपुर के शिकायती प्रार्थना पत्र पर संलग्न निस्तारण आख्या "आ०नं०–345ध्0. 94 हे० का उ०प्र०रा०सं० 2006 की धारा–116 के अन्तर्गत पक्षों का बटवारा हो चुका है। फाट मुताबिक पक्षों को मौके पर कब्जा पूर्व में ही दिलाया जा चुका है।" लेकिन फोन पर शिकतायकर्ता से वार्ता करने पर सावित्री देवी द्वारा बताया गया कि गलत एवं भ्रामक आख्या दी गयी है। मौके पर न तो लेखपाल आये थे और न ही कोई अधिकारी आये थे। इस बात की पुष्टि किये जाने हेतु लेखपाल को कई बार फोन लगाये जाने पर भी उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया। उक्त निस्तारण आख्या पर राजेश कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक, तहसील मडियाहू, द्वारा वार्ता किये जाने का उल्लेख किया गया है साथ में जी०ओ० टैगिंग फोटोग्राफ संलग्न नहीं है तथा गवाह राम शिरोमणि के मोबाइल नम्बर द्वारा वार्ता किये जाने पर उनके द्वारा बताया गया कि लेखपाल मौके पर नही आये थे, फोन करके उनकी आख्या को स्वीकार किये जाने हेतु कहा गया है। उपरोक्त से यह स्पष्ट हुआ कि तहसील मडियाहू में प्राप्त शिकायतों का सरसरी तौर पर ही निस्तारण कर दिया जा रहा है न तो कोई अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर जा रहे है और न ही मौके की फोटोग्राफ ही संलग्न की जा रही है, जबकि शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में पूर्व में स्पष्ट रूप से उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त के अवलोकन से यह स्पष्ट हुआ की उपरोक्त कर्मचारियों द्वारा उच्चाधिकारी तथा मा० मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त निर्देशों की जान बूझकर अवहेलना की जा रही है, जो अत्यन्त ही आपत्तिजनक है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी ने लेखपाल अवधेश कुमार, राजेश कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक, मडियाहूँ का एक दिन का वेतन बाधित करते हुए निर्देशित किया है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण उप जिलाधिकारी, मडियाहू के माध्यम से 03 दिवस के अन्दर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें औ समय से स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने पर सम्बन्धित के विरुद्ध एक पक्षीय रूप से कार्यवाही कर दी जायेगी।

कंपोजिट विद्यालय रन्नो में नामांकन हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया गया

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कंपोजिट विद्यालय रन्नो में नामांकन हेतु जन जागरूकता के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा विभाग के सौजन्य से सूचना विभाग द्वारा भेजी गई नुक्कड़ नाटक टीम के द्वारा स्कूल चलो अभियान पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया , सिंगर इमाम अजनबी एवं उनकी नुक्कड़ नाटक टीम के द्वारा जन समुदाय को यह संदेश दिया गया कि वह अपने 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन कराएं तथा उन्हें प्रतिदिन स्कूल भेजें, उन्हें डीबीटी, मध्यान्ह भोजन योजना तथा सरकारी विद्यालय से प्राप्त सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभ से अवगत भी कराया गया। प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव द्वारा जन समुदाय को यह जानकारी दी गई कि सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले सभी बच्चों को अप्रैल में नामांकन कराने से डीबीटी तथा अन्य लाभ ससमय दिलाया जाएगा साथ ही अन्य सभी सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार बताया गया। इस अवसर पर ग्राम सभा रन्नो के गांववासी, विद्यालय के बच्चे तथा समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

महिला थानाध्यक्ष व उनकी टीम ने शहर के बस स्टेशन व प्रमुख स्थानों पर महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

अयोध्या। मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत एसएसपी राज करन नैय्यर के निर्देश पर इस अभियान के नोडल प्रभारी एसपी देहात बलवंत चौधरी के पर्यवेक्षक मे तथा सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम द्वारा महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।मंगलवार को उन्होंने कोतवाली नगर क्षेत्र के रोडवेज बस स्टैंड व विभिन्न चौराहों तथा स्कूल,कॉलेज में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रहे चलाई जा रही महिलाओं की सुरक्षा व उनके लिए लाभान्वित योजनाओं के प्रति जागरूक किया। मंगलवार को उन्होंने कैंट रेलवे स्टेशन, गुरु गोविंद सिंह चौक ,बस स्टैंड जाकर शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया। महिला अपराध संबंधित अपराध ा के बारे में अवगत कराया।इस मौके पर उनके टीम द्वारा किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।वही आर्य कन्या इंटर कालेज फैजाबाद में जाकर शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध ा के बारे में अवगत कराया गया।इस

मौके पर उन्होंने महिलाओ को किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया।इस मौके पर उव निव सोनी ,उव निव श्वेता,म0का0रंगीता साहिनी, म0का0 कवितासिंह, म0का0 साक्षी शुक्ला, ,म0का0 रेशू, म0का0पायल सरोज, म0का0 जयश्री म0का0 नेहा मिश्रा, म0का0 ज्योति सिंह शाहिद अन्य महिला थाना पुलिस कर्मी मौजूद रही।

काफी दिनों बाद दिव्यांगजनों के लिए आ रहे अच्छे दिन

अयोध्या।शीघ्र ही उपकरण एवं रोजगार का दंश झेल रहे दिव्यांगजनों के दिन आने वाले हैं।क्योंकि अब ऐसे दिव्यांगजनों की मदद अब प्रशासन करने जा रहा है जो उपकरण के साथ ही साथ रोजगार से काफी दूर थे।इसके लिए विभाग द्वारा आवेदन के लिए पोर्टल 01 खोल दिए गए हैं। इस बात की जानकारी सहायक आयुक्त जिला दिव्यांग जनकल्याण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी ने दिया। बताया कि दिव्यांगजन या उनके परिजन लाभान्वित होने के लिए इस पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।आवेदन के बाद कागजातों की प्रशासन ग्राउंड लेवल पर जांच करेगा। इसके बाद जिस चीज की मांग होगी प्रशासन उन्हें मदद स्वरूप उपलब्ध कराएगा। बताया कि इसके अलावा नवविवाहित दिव्यांगजनों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे।इन योजनाओं के मिलने के बाद दिव्यांगजनों के के अच्छे दिन आना तय है।बताया कि इन योजनाओं का लाभ गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों को ही मिलेगा।बताया कि आर्थिक तंगी के चलते हजारों दिव्यांग ऐसे हैं जो चाह करके भी रोजगार के संसाध ान नहीं जुटा पा रहे हैं।यहां तक कि वह कृत्रिम उपकरण भी ले पाने में असमर्थ हैं।इन कृत्रिम उपकरणों के लिए अब प्रशासन की ओर से उन्हें पंद्रह हजार रुपये तक के यह उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।इसमें जरूरत के अनुसार कृत्रिम हाथ–पैर कैलीपर्स आदि एवं सहायक उपकरण ट्राई सायकिल, वैशाखी, कान की मशीन, ह्वील चेयर, सीपी चेयर, एमआर किट, ब्रेल किट, एडीएल किट जैसी अन्य चीजें उन्हें फ्री में दी जाएंगी।इसके लिए वेब पोर्टल ीजजध ध्कपअलंदहरंदकनांद.नचेकब. हवअ. पद पर आवेदन करना होगा।आवेदन किए गए फामों की जांच होने के बाद ही पात्र लाभान्वित होंगे। इसके अलावा विभाग ने दिव्यांग जनों की शादी प्रोत्साहन के भी लिए भी कुछ योजनाएं चला रहा है। बताया कि इसके लिए भी एक मानक तय की गई है।नव विवाहित दपत्ति में केवल युवक के दिव्यांग होने पर 15 हजार युवती के दिव्यांग होने घर वीस हजार एवं दोनों के दिव्यांग होने 35 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।दिव्यांगजन पुनर्वास हेतु दुकान निर्माण या संचालन के लिए दिव्यांगजनों को आर्थिक सहायता दी जाएगी।वित्तीय सहायता के रूप में बीस हजार रुपये दिए जाएंगे, जिसमें पांच हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा।शेष 15 हजार रुपये चार प्रतिशत साधारण वार्षिक ब्याज की दर से दिए जाएंगे जाएंगे,।

वर्ष 2024–25 में वृक्षारोपण में कराये गये कुल 734.99 हें0 में 1455504 लाख पौधों को रोपित किया गया – डीएफओ

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग ने अवगत कराया है कि पर्यावरण जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव है की रक्षा करे और उसका संवर्द्धन करें तथा प्राणि मात्र के प्रति दया भाव रखें। जौनपुर जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 4038 वर्ग किमी० है। जिसमें वनावरण भौगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष 1.58 प्रतिशत है। जो भौगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष बहुत कम है। वर्ष 2024–25 में वृक्षारोपण में कराये गये कुल 734.99 हें0 में 1455504 लाख पौधों को रोपित किया गया। वर्ष 2023–24 में 138.45 लाख राजस्व की प्राप्ति हुई है। जिसमें सड़क के किनारे सूखे, पेड़ों का छपान कर विदोहन हेतु कुल 77 लाट बनाकर वन निगम को दी गयी जिसमें 95.94 लाख रूपयें की राजस्व प्राप्ति हुई है। आरा मशीनों के नवीनीकरण शुल्क से 22.38 लाख तथा अवैध कटान नियन्त्रण हेतु मारे गये छापे से जुर्माने के तौर पर कुल 18.50 लाख रूपयें की प्राप्ति राजस्व की गयी है। वर्ष 2024–25 में वन विभाग द्वारा 3,23425 लाख मानव दिवस रोजगार का सृजन किया गया वृक्षारोपण से प्रत्येक आर्थिक लाभ के अन्तर्गत मुख्यतः ऊर्जा के स्रोत, रोजगार के अवसर, कुटीर तथा लघु उद्योगों की स्थापना, व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति, उद्योगों की आवश्यकताओं की पूर्ति। रेंज शाहगंज के अन्तर्गत गुजर ताल को इकों टूरिज्म विकास कार्य हेतु विकसित किया जा रहा है। जो आने वाले दिनों में पर्यटन एवं वेट लैण्ड के संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार परोक्ष लाभ के अन्तर्गत सीमित स्थानों की जलवायु पर अनुकुल प्रभाव, बाढ़ और सूखें पर नियन्त्रण मृदा संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण पर प्रभाव मुख्य है। वर्ष 2022–23 में 14.71912 लाख पौधों का रोपण किया गया। जबकि वर्ष 2024–25 में 14.55504 लाख पौधों का रोपण किया गया। वर्ष 2024–25 में जौनपुर वन प्रभाग के 38 पौधशालाओं कुल 48.76000 लाख नए पौधों का उगान किया जा रहा है।

बार और अधिकारियों के मध्य जो भी समस्याए और गतिरोध थे, उन्हे समाप्त कर दिया गया – घनश्याम सिंह बार अध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र और कलेक्ट्रेट अधिवक्ता समिति जौनपुर के अध्यक्ष, महामंत्री, प्रतिष्ठित एवं विद्वान अधिवक्ताओं, अधिकारियों की उपस्थिति में सौहार्दपूर्ण ढंग से वादकारियों तथा त्वरित न्याय के दृष्टिगत वार्ता हुई। इस दौरान समस्त गतिरोधों को समाप्त करते हुए दोनो पक्षों के मध्य स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण संवाद हुआ जिसके पश्चात् निर्णय लिया गया कि सभी न्यायालय पूर्व की भांति कार्य करेंगे तथा समय समय पर बैठक कर अन्य विषयों के समाधान हेतु कार्य करेंगे। कलेक्ट्रेट बार के अध्यक्ष घनश्याम सिंह ने कहा कि बार और अधिकारियों के मध्य जो भी समस्याए और गतिरोध थे, उन्हे समाप्त कर दिया गया है। इस अवसर

पर अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, उप जिलाधिकारी संतवीर सिंह, महामंत्री मनोज कुमार मिश्र, अधिवक्तागण राजेन्द्र प्रजापति, शिवशंकर यादव, रामजीत मौर्या, सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, उदय प्रताप, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप सिंह, हीरालाल गुप्ता, पूर्व महामंत्री आनन्द मिश्रा, सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

घरों की रेकी कर चोरी करने वाले 04 शातिर चोर अभियुक्तो को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देशानुसार पुलिस उपायुक्त, पूर्वी के निर्देशन तथा अपर पुलिस उपायुक्त, पूर्वी के कुशल पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त, विभूतिखण्ड के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष चिनहट के कुशल नेतृत्व में चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वस्तुध्वाहन तलाश वांछितध्वारण्टी एवं अपराध एवं अपराधियो के रोकथाम के दौरान उ. नि. खुर्शीद आलम मय हमराही अधि ाध्कर्मचारीगण के द्वारा थाना स्थानीय पर पजीकृत मु0अ0स0–110ध्25 धारा 305 (ए), 331(4) बीएनएस से संबन्धित चोरी करने वाले 04 नफर शातिर अभियुक्तगण 01. सूरज वर्मा 02. आकाश यादव 03. श्याम सुन्दर उर्फ गोलू 04. मो0 शमीम को राष्टीय ग्रामोद्योग आश्रम इण्टरकालेज के पास थाना चिनहट से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के 04 अदद बटन नुमा टिकिया व एक अदद सफेद धातु की कमर करधनी व एक जोड़ी पायल व नकद 2,49,0002– रूपये बरामद किया गया। थाना स्थानीय पर दिनांक–17.03.25 को वादी रोहित कुमार सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह मूल पता–ग्राम कान्हापुर पोस्ट सोनहिता मछलीशहर जनपद जौनपुर वर्तमान पता कौस्तुभ इंक्लेव बाबा हास्पिटल रोड थाना चिनहट लखनऊ द्वारा दी गयी तहरीर सूचना वावत अज्ञात चोरो द्वारा वादी के घर का ताला तोड़कर घर से सोने चांदी के जेवरात व नगद चोरी कर लेने के संबन्ध में मु0अ0सं0–110/25 धारा 305 (ए), 331(4) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना उ.नि.खुर्शीद आलम द्वारा सम्पादित की जा रही है। घटना स्थल का निरीक्षण उच्चाधिकारीगण द्वारा किया गया तथा घटना का सफल अनावरण हेतु उच्चाधिकारीगण के आदेश निर्देश के क्रम में 02 टीमों का गठन किया गया गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज को चौक किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फूटेज व अन्य साक्ष्य एवं मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्तगण 01. सूरज वर्मा पुत्र स्व० शिवमूरत वर्मा निवासी 207 तकरोही होलिका चौराहा थाना इन्दिरानगर जनपद लखनऊ उम्र 27 वर्ष 02. आकाश यादव पुत्र ओम प्रकाश यादव निवासी लखनऊ मॉडल स्कूल के पास तकरोही थाना इन्दिरानगर जनपद लखनऊ उम्र 22 वर्ष 03. श्याम सुन्दर उर्फ गोलू पुत्र स्व० राधेश्याम निवासी बब्लू चौक चौराहा तकरोही थाना इन्दिरानगर जनपद लखनऊ उम्र 23 वर्ष 04. मो0 शमीम पुत्र स्व० मुशीर निवासी ग्राम चन्नापुर थाना रामनगर जनपद बाराबंकी उम्र 35 वर्ष हालपता क्राउन मार्केट निशातगंज थाना महानगर जनपद लखनऊ को राष्ट्रीय ग्रामोद्योग आश्रम इण्टरकालेज के पास थाना चिनहट से गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से 04 अदद बटन नुमा टिकिया व एक अदद सफेद धातु की कमर करधनी व एक जोड़ी पायल व नकद 2,49,000/– रूपये बरामद किया गया। वांछित अभियुक्तगण 01. सिराजुद्दीन पुत्र बब्लू निवासी बाबा कबाडी के सामने झुग्गी थाना चिनहट लखनऊ 02. रिंकू कन्नौजिया उर्फ कालिया निवासी संतपुरम मटियारी किराये ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।